

रदहसंगी वटो सुभा
कास्तिकोस्ताने
भो परलो न
भी मोग्यगी लोके
वेचरन्म लोके

५

ASHA ARCHIVES

आशा अरु गोरी

१/२

१७ नमः ४५ यत्र स्थानमः ४॥ अथ उवाच भक्तित्वं लिखितं विधानमख्यं न ॥ ॥ अथ वाचन
 वलिवाय ॥ अथ या नून कमन मालका कानक ॥ अथ वलिपात ३ ॥ अथ नलाय ॥
 कर्त्रक ॥ पी० मूलवलि ॥ अथ नयिनाय ॥ मयलानडन ॥ पंथ वलि ॥ विदव ३ ॥ अथ व
 वलि दिगवलि मालका वाय ॥ ॥ अथ नारु वलि निविध ॥ पा १ दद ३ अथ पणय ॥ अ
 यार्थ ॥ अथ नमस्का ॥ अलपात अथ पात रुग्णुर्दि आत्मपूजा ॥ सम्बर्तन आवाह
 न ॥ विदव ३ ॥ अथ नम ॥ अथ अथ कथया दकी ॥ ॐ कौं कौं कौं सर्वरु तिदी रुग्णुर्दि
 कौं कौं कौं मालालेक श्वत्री मालालेक श्वत्री मालापत्र मश्वत्री मालापत्र मश्वत्री मालानय श्व
 त्र ॐ कौं कौं कौं मालारु तिदी मालारु तिदी मालानादनी मालानादय (६) श्वत्री ॐ कौं कौं

कौं मालानय श्वत्री अथ वली अथ अथ माला मश्वत्री माला मश्वत्री माला मश्वत्री माला मश्वत्री
 रुग्णुर्दि तिदी माला अथ मश्वत्री पिगं धमी पायय माला वलि गृहं २ अथ किक नखाहा
 ॥ ॐ कौं माला मश्वत्री रुग्णुर्दि मश्वत्री लपा वि आग्या कौं ३ रुग्णुर्दि गृहं स्वाहा ॥ निं कौं य
 रुग्णुर्दि विविध काय रुग्णुर्दि विविध काय रुग्णुर्दि विविध काय रुग्णुर्दि विविध काय ॥ सर्व विधि
 विना मनाथं सर्वरु तिदी वलि गृहं २ रुग्णुर्दि माला कौं कौं कौं कौं रुग्णुर्दि स्वाहा ॥ ॥ अथ ॥ कौं कौं
 कौं स्वाहा ॥ ॥ अथ अथ माला काययादि ॥ ॥ अथ वली विदव ३ ॥ पूर्व दक्षिणयादि ॥ अथ वान
 अथ गंधादि ॥ अथ नम ॥ वलि विमर्जन ॥ वलि अथ नमस्का मवाय ॥ ॥ अथ सापानक भक्ति व
 लि विध ॥ पतवा सन पक्षाद्यय मालका कान वलिवाय ॥ पंथ वलि विदव ३ ॥ मल



थपादकी॥ॐ विजयाथपादकी॥ॐ ऊयनिपादकी॥ॐ वापवाजिताथपादकी॥ॐ नन्दाथ
 पादकी॥ॐ रुद्राथपादकी॥ॐ ऊयाथपादकी॥ॐ रोमाथपादकी॥**धननीवलि॥** ॥हंसास
 नाथपादकी॥**वृषासनाथपादकी॥**मयूत्रासनाथपादकी॥**प्रेतासनाथपादकी॥**गेवृक्षासना
 महिषासनाथपादकी॥गङ्गासनाथपादकी॥नवासनाथपादकी॥बुक्कान्यादि॥**अग्निनामाः**
दि॥यथागमदि॥**का**यथागमहादेवपालायपादकी॥**का**ववृद्धमहादेवपालायपादकी॥
काकालापत्रमहादेवपालायपादकी॥**का**अष्टरुसमहादेवपादकी॥**का**ऊयनि
 महादेवपालायपादकी॥**का**वविष्णुमहादेवपालायपादकी॥ॐ **का**चक्रमुक्तम
 हादेवपालायपादकी॥ॐ **का**देवीकाटमहादेवपालायपादकी॥**धननीवलि॥**

ॐ ऊयादेवीपादकी॥ॐ धीविजयादेवीपादकी॥ॐ धीअजितादेवीपादकी॥ॐ धीअपवाजि
 तादेवीपादकी॥ॐ धीऊमनीदेवीपादकी॥ॐ धीनमनीदेवीपादकी॥ॐ धीमारुनीदेवी
 पादकी॥ॐ धीअकर्तृणीदेवीपादकी॥**धननीवलि॥** ॥रुद्रकादि॥ॐ **का**रुद्रकरेववाः
 यपादकी॥ॐ **का**त्रिपुत्राकरेववायपादकी॥ॐ **का**अग्निवनाकरेववायपादकी॥
 ॐ **का**अग्निजिह्वाकरेववायपादकी॥ॐ **का**कालाकरेववायपादकी॥ॐ **का**कलाली
 नकरेववायपादकी॥ॐ **का**चक्रपादकरेववायपादकी॥ॐ **का**रुमयूत्रकरेववायपादकी
 ॥ॐ **का**हाटकरेववायपादकी॥ॐ **का**अववकरेववायपादकी॥**धननीवलि॥** ॥ॐ नन्दा
 दि॥ॐ मूलमनुनगियाअलिश॥**वज्रनामा १३ वांवावृ** **लिङ्ग** वांघीवयणीदेवी **का**अग्नि



[illegible][illegible]

ममनाधिपतयश्रीकौकामध्वममहारेववायत्रलिवलिपिगिरिपूजागृह्णश्वाहा॥ ॥
 नमः सनायपादकी॥ सिंहासनायपादकी॥ **आन**॥ ॐ सिंहासनाह्मिताद
 वपयवकुगजाननापूर्वकंकमसीकासीदक्षि (दाक्षप्रसारिताः॥ ३॥ अथमुरुत्रमिह्यद्रुक्षोववर्धु
 नुपश्चिमाडुर्दकन्देसीकासीछर्दहृदिकसीनिर्ह॥ विपश्चनयनीयकंदधवाद्रुग (दाध्वत्र॥ ३॥
 दध्वलीवलामूलं सिद्धिपार्श्वदक्षि (दा॥ पत्रधुमर्जलहृत्तावरुयाल्लुक्कभववाविदमडाध
 वावामसुचालीकालसारिताः॥ रुमत्रत्ताहिरुषाजीसूर्यकक्षापवीतकी। गजमकीवरु
 वीचः सारितापत्रमध्वत्र॥ वाभात्रुहृगगादवीवश्चवाधकिथध्वत्री। तफकाश्चनसी
 कासाहमककुलमगुताः॥ सुचालीकालरुषाजीसोम्यवृपीमहादवी। वजारुय

गणेशपुजावलि
 ३०५

कशीदवीदियवमुविहृषिता॥ सर्वधिरुर्वदवपूजनीयाग (दाध्वत्र॥ ३॥ **आनपय**
नमः॥ ॐ नमः **कांकां** गंगीयू (गंगे गं॥ ३॥ कलगा (दाध्वत्रायल्लौल्लू (लै॥ ३॥ कीधीमहागघ
 पतिनाथयमहध्वत्रनयायहृवम्वमूर्कयगजमखयपिंगलवध्वयदधुजाय **कां** ॥
धौन पत्रार्थवलासकि सहितायमहापश्चसगदाह्वनूपायह्वतमखायायवुगघनाथस
 हितायसीगमवायसगनह्यविवावायसिद्धिविद्धिपदसर्वविद्धिपसमतिस्वदस्वयमा
 वनिस्सर्वपापकलहनासयश्चपत्रकुमकुतकुवृधुयश्चरुजयश्महान्छलावल्लुकादि
 सध्वत्रागमर्मा नासयश्चस्वसारुग्यसीपतिस्सकतिआयवावायवलसीध्वयददध्वनधा
 न्यवीहादिपधुवाहृदावृद्धयश्चैकशीकाश्चिमनात्रथपूत्रयश्चदवानामहाविद्धिपम

३०५

स लि ३॥
 धी धि मा ज
 म न्य ॥ १५
 म न्य ॥ ३७
 ॥ १५ ॥ ३७
 म न्य ॥ ३७

वसुधैव कुटुम्बकम्

दय रनासय रसर्वद दय रसर्व व न्वभा यय रव स्या रिवा यना सय रसर्व सार्नि क्व २
 को रं मी न्र लि वलि पि मि रं वलि यद्रु रुद्र र म न्र र वलि यद्रु र म न्र पति ना था य लं ली लूं
 हारु ॥ वि या अ लि ३ ॥ **उं** को लं ली लूं ग १ ॥ लो धी कू ल ग १ ॥ ध व ना य रु व न्ना था य द्वा पा
 द की ॥ **वं** यं ली लूं ग १ ॥ लो धी कू ल ग १ ॥ ध व ना था य धा व अ ला द वी हा कि
 हि ना य म् ॥ पा द की ॥ ३ ॥ ष ठं ग ॥ व लि ॥ त्वा क् म हा व लि ॥ अ वा रु ना दि या नि ग
 डी द र्श य न ॥ त र्प न ॥ **ॐ** गि ग ध प ति व लि ॥ ॥ **न मो व द् क म् ल न ड ति पू ज्ञा ॥**
 व लो ॥ **ॐ** वि द व ३ ॥ अ ध ना दि म यू ना स य पा द की ॥ **आ न ॥** म हा म यू न मा नृ रा



६
 ॥ ३७ ॥ ३७

री वा न यू य र्क न का म धा रि रु षा र्म द धु ग कि व न ध र्म ॥ वि न्द्र म ड क व धी मा न् व की व
 वि रु षि र्ग र्ग व व धा य न द र्ग व द् क ना र्थ न मा म् य र्ग **आ न प र्थ न म ३ ॥** वि या अ लि ३ ॥
धी को कू ल प ठ व द् क ना था य पा द की ॥ ष ठं ग ॥ त्वा क् म हा व लि ॥ अ वा रु ना दि द धु य
 म डी द र्श य न ॥ **॥ ध र्म ली र व लि पू ज्ञा ॥** धी र्म व लो ॥ वि द व ३ ॥ अ ध ना दि ॥ न ना स न
 पा द की ॥ **आ न ॥** प ना स न स्मि र्ग द र्ग नी ल व र्ण क र्क ॥ वि न्द्र म ड क व धी मा न् व की व
 न र्क ॥ उ म र्म र्म र्म र्म र्म र्म वि न्द्र का पा व ध र्म म डु हा ग दि रु षा र्म आ न र्थ द्धु पा र्क
आ न प र्थ न म ३ ॥ वि या अ लि ३ ॥ अ गि ना ना दि ॥ व द्का न्या दि ॥ रु द्र का दि ॥ मू ल म रु ॥ नृ न
 द्वां द्वां द्वां स्व स्म न द्धु पा ला य पा द की ॥ ३ ॥ ष ठं ग ॥ त्वा क् म हा व लि ॥ अ वा रु ना दि न



श्री
श्री

समय
२५

काव्यदीपकपाल॥२८॥ॐ॥१॥मृगदीपदीपप्रभुध्वनीधुजानकेनपाल॥
 नन्ददीपदीपसवत्रादवीधीप्रतिपातिद्वेनपाल॥३०॥ॐ॥१॥मृगदीपदीप
 देवजंकेनपाल॥३१॥ॐ॥१॥मृगदीपदीपनदीदवीधीविग्रानेकेनपाल॥
 मृगदीपदीपनादादीदवीधीविरालिकेनपाल॥३३॥ॐ॥१॥मृगदीपदीपसर्वय
 धीपदमनेकेनपाल॥३४॥ॐ॥१॥मृगदीपदीपदिवलि॥॥इत्येति॥

आशा आर्य
 9/2
 ASHA ARCHIVES



ॐ स्वस्ति श्री सर्वेपना जी ज्ञात

शीघ्रप्रस्थानम॥ॐ॥नमः॥दीपदीपकालिकोथे॥अयअयस्वर्वाकालिनमस्तुदहिर
 किसमस्तुवावामनसायस्त्रीरुजगंगीधतिवितिर्लाकावदन॥१॥विकविकपति
 दिन॥काव्यकविचितिलाकेगदिन॥दानकल्यदुमन्तिमान॥कस्तारुर्कुननरुवि
 ॥यस्त्वाध्यायतिशर्कप्रवनिन॥नरुवस्था॥सूत्रवचमहिन॥रुवरुयसागत्रनरुव
 पाकिगतीशुरुगदि॥३॥पागसारीमद्यदिवस्वितवसिर्वमधूमयविकागोरु
 नुनिवसनीपिरुवनरुसाकिमपिरुसनी॥४॥कनवशिवापविहिनविनिशस

तस्मै मातृवत्तु नंदयं नस्मिन्किंवा मनःअगरी। सन्तु यत्रापि यदि काटि यी वस्तु द
 वक्तुं शक्ता जीव ॥ १५ ॥ अन्य ४ कावा नवमनःअपने, वक्तुं शक ४ रु लमिह रुवने। यं यं द
 शिदि गार्, वस्तु दल कमलेया न विभर्त्त ॥ १६ ॥ द्वा वस्तु श्चै वा द्वा द्वा, वा द्वा द्वा न
 यत्नत्वा। पूजा वा द्वा कमला निर्य, कालिक लिमल हं गी सखी ॥ १७ ॥ वस्तु वस्तु विन
 पूजा, वलि नत्वा दीय रुवति वाजा। यस्तु यव नी निध वन शक ४ अ यति निर्य मन मनः
 कस्तु ॥ १८ ॥ विगलि नत्वा कृत्रा वस्तु विम क ४ सिद्धा ती स ४ वस्तु वस्तु क ४ जीवति सुचि

द
 वीकविता कात्री, शिद श्मदी नी ययि नत्वा ॥ १९ ॥ मायाय सिर्ग अगदि मास्त, नव पद कः
 मलादि नव नास्त, लक्ष्म का विविध लय य नार्, नव वृषि वा दी दृष्ट नव ला ॥ २० ॥ मात
 र्मा नद विन मस्त, गायति कीर्ति द वग लस्त। नाया वली यति विध मर्कि, नावा जीव नव द्वा वि
 ध रुकि ॥ २१ ॥ रुकि या व नव पद कमल, नद न न द्वा नार्थ य विमल। अन्य मी या न द्वा नी ग
 त्वा, दवानि नव नव श नव लत्वा ॥ २२ ॥ नत्वा रुकि नव वाम कि, या वी न न न दि वा मर्कि।
 न न किं विन दि जान कि, पायस्तु नद नय ४ मनि ॥ २३ ॥ नव पद कमल रुक्म रुं पी ग नः

पिनरिन्नासुवपदसंगतू॥स्वाहास्त्रीस्यावन्निवधूटीपिहगद्यमयपिहगद्यवटी॥२४
॥खक्रनयस्त्रीरक्षरक्षस्वा, उगदिमात४प्रक्रयप्रखा।अधिकंययंनवपदकमला, नन
नरिसुमस्त्रीविकलावा॥२५॥दूर्जगोत्रीचिन्नावगलाताप्रखायाविद्या४सकला४स्त्रीः
स्यास्त्रीस्यानगपतिकन्य, नान्यानान्यत्क्रयधिववन्ध॥२६॥ॐस्त्रीमात४पमटिकारि, यस्त्रीः
रुज्जकायमनारि४धीरक्ष४धीमतिनवपदकमलं, रुक्मिरुगतिह, यादमलं॥२७॥मञ्जि
नंक्रयनिविष्टावासी, यदिमीमनश्चानिऊयददासी।ॐस्त्रीधीर्षीकप्रकनेता, यमटिकानीर्ग

षट्पञ्चविंशति ॥ दँ दँ दँ दीर्घकार्यविक्रान्तखमुखी उर्ध्वधामिकलात् पँ पँ पँ पापनाशी यद्यम
नसतरीश्वरविक्रपाल ॥ १ ॥ वँ वँ वँ वकवर्जु कनककटिनरी निहर्दंष्ट्रकवली यँ यँ यँ यथा
षट्पाषाणययययनिरीययवाधायनाटी । कँ कँ कँ कालपाशी धृक् धृक् धृक् धृक् किरीटालिनाकाम
दर्पा गँ गँ गँ दिव्यदहं यनमतसतरीश्वरविक्रपाली ॥ २ ॥ लँ लँ लँ लीलादलनी लललललतिरी
दीर्घजिह्वाकवली धँ धँ धँ धूमवर्जु स्फुटितनखी राखी शीमनूयी । वँ वँ वँ वधुमाली वधिवमय
मयीतामनरीकलात् नँ नँ नँ नननूयी यद्यमतसतरीश्वरविक्रपाली ॥ ३ ॥ तँ तँ तँ तायवगी

सिद्ध तत्र तली वक्राया वीथी नीरवं रवं रवं रवं रुसं शिखुवन निलयी राखी श्रीमन्मयी चं चं चं
वाली नीचलचलचलिनी वालि तारु तत्र कं मं मं मं माय प्री पदम तम तनी रं नवीक्षु पाली
॥ ५ ॥ सें सें सें सीख रुसं शिखि कत्रध वी भा सी पूरु नडी मं मं मं मीद रु नी कलम कल कली मन्मूर्ति
नूक्षी। ऊं ऊं ऊं रु तविवी कत कला ली वनी टरु टरु लली नीं ऊं ऊं ऊं ऊं तम डी पदम तम तनी रं नवीक्षु
गुपाली ॥ ६ ॥ रवं रवं रवं रवं रु दी विषम मृ तमयी काल काली कया ली दूं दूं दूं दूं यव गंद रुद रुद रुद रु
नीति फसी दी प्रमानी। हौ हौ हौ हौ काल ना दी यव गद रुद रुद रुद रुद नी गक्ति तारु मिकमी वं वं वं वाल

[illegible]

मनो मया

मया का प्रद्युम्न का प्रपञ्च ॥ १ ॥ अखण्डमण्डलाकारं फलं नमो नमः । शिवह्यान शिवानः
 नन्द, शिवपूष शिवालय ॥ २ ॥ मूलमन्त्रस्वरूपाय मूलमन्त्रात्मवृषिणी । मूलपद्विनिर्वाणाय मूल
 मन्त्राय मूलाय ॥ ३ ॥ ॐ का प्रवृत्तिनादवी उल्लनी उदयध्वनी ॥ ॐ गायित्री लमश्चस्क सुखमा म
 ष्टवृषिणी ॥ ४ ॥ सुखमा नैकलसूक्ष्म विष्णुनातिस्वरूपिणी ॥ विष्णुनातिस्वरूपिणी कलुल्या कालवृ
 षिणी ॥ ५ ॥ जीवकुलमश्चस्क याद्यायादरुलीनवे । याद्यायाददयार्मश्चर्हं सपञ्चमकावदम् ॥
 ६ ॥ हंसवीजा कलीनाद हंसाक्षयमनामनी ॥ हंसविन्दुगतादनादनाकपञ्चमशिव ॥ ७ ॥ वि

नमस्तुतमश्चक्रे उन्मनी ड दयानिके। वायु मार्गस्वपस्कृ सामसूर्याग्निमनुज ॥ ८ ॥ मनुज
जयमश्चक्रे जतिवृषपत्रापत्र। वामायाश्चमनाशक्ति मध्यवमनान्मनी ॥ ९ ॥ चतुर्दशकः
स्तुत्रपा किप्रदाती नृपिनि। नृपिर्दशकवादती षड्विंशकस्त्ववाहिनी ॥ १० ॥ वींशतत्युषाद्या
वा वामसया नमूरुय ॥ पञ्चवक्त्रा दुखगुञ्ज पञ्चशयस्व नृपिणी ॥ ११ ॥ दशहस्त विभर्तु वज्र
मूकटकात्रिणी ॥ सचीरुवदसीयकं सर्वलिकात्राहारिणी ॥ १२ ॥ वर्वमनान्मनीदती सृष्टि सीहा
त्रकात्रिणी ॥ अष्टमनसावाद्या खादीवदस्व नृपिणी ॥ १३ ॥ सफवा दकिगयनी शिवसाव

कृत्रपिणी ॥ गायत्रीसावित्री वैतसख्ये सर्व नृपिणी ॥ १४ ॥ वदवदान वदायी वदवदान वा
सिनी ॥ यज्ञाय यज्ञरुद्रादती यज्ञ नरुलदायिनी ॥ १५ ॥ स्वाहाकात्रमयादती स्वाहाकात्रस्व नृपि
णी ॥ विषयात्राहनादवि विषयाती नृपिणी ॥ १६ ॥ जयस्व प्रमृषिश्च कुर्याती नृपप्रगिव।
नृवस्व वपत्रतल्य नृपाती नृनभास्तुत ॥ १७ ॥ सर्वमल्लरुलादती सर्वसिद्धिप्रदायिनी।
मनसाजायत सर्व मनसा सर्वभवहि ॥ १८ ॥ सर्वमनसा नृपी सर्वह्व मनसात्मिके। मनसाली
द्यनीनास्ति मनसान्क यनुनहि ॥ १९ ॥ वृत्तिमनी तमिमहात्म्य सर्वरुतस्ति तात्मके ॥ वृन्दका

ॐ ऊर्ध्वनिखी शुभ्रया द्वासमाहितः ॥ १० ॥ समकसर्वपापेष्टा शिवलाकमहीयत ॥ ॥ ॐ नि
मनोत्तमोत्तमसुवसमाय ॥ ॥ ॐ नमः ॥ धीयन्नद्वयताये ॥ उग्रदानवन्दुसीयथात्रयद्वसीयथा
सवाग्निचन्द्रसूर्यमुख्यद्वयशर्मदी ॥ विष्णुलाकनाथपालनादिशक्तिशक्तिदी शक्तिदानिमूकिदा
नमामिकाभिमार्थदी ॥ १ ॥ यत्तु रविपवर्चवादिरीतिशक्तिदी पुरुषोत्तमवर्चवादिरीतिदानदात्रः
पालवी वैदिनाशपुरुषलारुच्ययादयल्लवी शक्तिदानिमूकिदानमामिकाभिमार्थदी ॥ २ ॥ अ
लपादकुङ्कुरुकिटलपूरुकाभिनी मूकिवाधकुकिवन्दकर्मवासिरुमिनी ॥ वादिभाहवाप

लकुजायुरुङ्गकोशनी शक्तिदानिमूकिदानमामिकाभिमार्थदी ॥ ३ ॥ यन्नद्वयकुङ्कुरुमग्नयद्वपादः
शरणी समल्लम्विरुल्लनीलकञ्जलायनी ॥ दिव्यगन्धमाल्यवस्तुर्कनादिरुच्यं शक्तिदानि
मूकिदानमामिकाभिमार्थदी ॥ ४ ॥ सात्विकादिसुवर्गुरुदकुरुविस्मयी सुवर्गमह्यनागलाकदः
शकालकल्याणी ॥ द्वंद्वमूकिनिखवाधशुद्धपूरुविग्रहा शक्तिदानिमूकिदानमामिकाभिमार्थ
दी ॥ ५ ॥ ॥ ॐ नित्रीनत्रयचक्रसफ ॥ मनोमणी ॥

[illegible][illegible]

धनविधुलजटाधनाला॥दद्यावन्मुगपर्वनं॥मासालिङ्गमालावरुयात्रिनया॥नानामनि
मन्त्रवरुचितासा॥ॐ ह्रीं सदावाचि न कत्राविलाहू॥~~धनपर्वनमः॥~~ह्रीं ह्रीं ह्रीं सिद्धिमाटं गध
नायपादकी॥वलि॥सं ह्रीं ह्रीं सिद्धिमातनीश्वरीदवीपादकी॥तवलि॥यदुष्टगपूजा॥ध्याय
श्वलि॥श्रीमायश्वलि॥बोदाय॥वलि॥कालायश्वलि॥॥अमुपनपूजनं॥वाकमा
नीश्वरीदवीश्वलि॥वलि॥वधामानीश्वरीदवीश्वलि॥वलि॥वधामानीश्वरीदवीश्वलि॥ध्या
यमानीश्वरीदवीश्वलि॥वलि॥यजुमानीश्वरीदवीश्वलि॥वलि॥वीलमानीश्वरीदवीश्वलि॥वलि

ऊयमानीश्वरीदवीश्वलि॥वलि॥उच्चिष्टमानीश्वरीदवीश्वलि॥वलि॥विट्टि॥रुनखावलि
प्रनखाश्वलि॥पिङ्गवखाश्वलि॥वाहसखाश्वलि॥दालपूजा॥शिवायश्वलि॥ह्वानाय
श्वलि॥शुधवश्वलि॥डलकायश्वलि॥शियाञ्जलि॥वर्तुगा॥वलि॥वाक्कमहावलिभन
क॥अवानादियानिमदादर्थयतु॥तर्पन॥॥मूलपातस॥ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं॥ऊयादि॥वाक्कान्य
दि॥हृदुकादि॥अग्निनामोदि॥पयागमदि॥मूलमन्त्र॥वलिमालकविय॥॥समयवलि॥
महावलि॥॥अरुनादिवलि॥॥ववशब्दियागिवलि॥॥वनीसियागिनावलि॥॥हृदुका

[illegible]

केशपाल ॥ १ ॥ अथां ८ सिंहालादीपधीकमानन्ददवीधामहायागिसकेशपाल ॥ २ ॥ अथां ८ हर्षुदीपधीवसपकी
पुष्टदवीधीवधुनाथकेशपाल ॥ ३ ॥ अथां ८ कर्तुपावर्हिदीपधनवीनदवीधीककमानकेशपाल ॥ ४ ॥
अथां ८ ह्यामखमधुलदीपधीविहसिदवीधीगद्यपतिकेशपाल ॥ ५ ॥ अथां ८ ककुलदीपधीवधुदवीधी
महायककेशपाल ॥ ६ ॥ अथां ८ डाठियातदापधीकालमागीदवीधामहारुगुकेशपाल ॥ ७ ॥ अथां ८
कालेधवीधीककननीदवीधामहाजिकानकेशपाल ॥ ८ ॥ अथां ८ एकपाददीपधीधुरुडादवी
धीविगसनकेशपाल ॥ ९ ॥ अथां ८ पीसादीपधीधुरुडादवीधीध्वककेशपाल ॥ १० ॥ अथां ८ कन
दीपधीगीमदवीधीअयरुदकेशपाल ॥ ११ ॥ अथां ८ साहनीदीपधीवामनीदवीधामहादिव्यकेश
पाल ॥ १२ ॥ अथां ८ स्रक्षदीधीवर्षलादवीधीददीवकेशपाल ॥ १३ ॥ अथां ८ कमालद

ईहादवीधीकमाविमाकेशपाल ॥ १४ ॥ अथां ८ यवदीपधीवालदवीमहाईकेशपाल ॥ १५ ॥ अ
थां ८ प्रत्नदीपधीदनुवादवीधीधुतिधनकेशपाल ॥ १६ ॥ अथां ८ कगहदीपधीरुददवीध्वककेश
पाल ॥ १७ ॥ अथां ८ वीधुदीपधीअरुमादवीधामहानन्दकेशपाल ॥ १८ ॥ अथां ८ वंददीपधीसीममाव
दवीधीमगीधीकेशपाल ॥ १९ ॥ अथां ८ अनदीपधीकलनीदवीधीमापालकेशपाल ॥ २० ॥ अथां ८ नर्तदीप
धीधमादवीधामहाकालकेशपाल ॥ २१ ॥ अथां ८ स्रक्षदीपधीसुमनीदवीधामाददीपधीवकादवीधी
धनीदकेशपाल ॥ २२ ॥ अथां ८ गरीददीपधीकक्रादवीधीविपलकेशपाल ॥ २३ ॥ अथां ८ सूर्यदीपधीमन्ना
ननीदवीधामानन्दकेशपाल ॥ २४ ॥ अथां ८ अम्वदीपधीरुयवमदवीधीधुक्केशपाल ॥ २५ ॥ अथां
८ स्रक्षदीपधीविहजिकदवीधीविलाउकेशपाल ॥ २६ ॥ अथां ८ वधनदीपधीडनयादवीधी